ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 22 नवम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 206

बर्फ से ढंका बद्रीनाथ धाम, उत्तराखंड में जमने लगी झीलः राजस्थान में सर्दी से थोड़ी राहत; मध्य प्रदेश के 7 जिलों में शीतलहर



24 न्यूज अपडेट

उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी जारी है। उत्तराखंड के चमोली में स्थित बद्रीनाथ धाम में गुरुवार को नवंबर की पहली बर्फबारी हुई थी। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर बर्फ की सफेद चादर से ढंक गया। यहां का तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

चमोली जिले की ही शेषनेत्र झील भी जम गई है। वहीं 14500 फीट की ऊंचाई पर स्थित पिथौरागढ़ का आदि कैलाश इलाके में भी बर्फबारी हुई है। इससे इलाके की सभी झीलें जम गई हैं। इलाके की सुंदरता को देखने पर्यटक भी पहुंच रहे हैं।

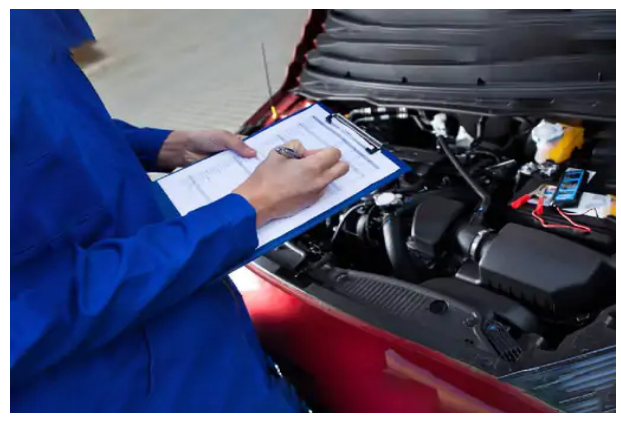
इधर, राजस्थान में सप्ताह भर बाद सर्दी से राहत मिली है, शुक्रवार को न्यूनतम तापमान भी 1 डिग्री तक बढ़कर कई शहरों में सिंगल से डबल डिजिट में आ गया। अगले 2 सप्ताह तक तापमान में गिरावट नहीं होगी। हालांकि, उत्तरी-पश्चिमी हवा से धुंध (स्मॉग) छानी शुरू हो गई है। इससे दिन में धूप अन्य दिनों के मुकाबले कमजोर रही है।

मध्य प्रदेश में बीते दो दिन में सर्दी से 2 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर समेत 7 जिलों में शीतलहर चली। पचमढ़ी में पहली बार पारा 5.8 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई।

एक स्टडी में कहा गया है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ा है। जिसके चलते देश में हीट वेव ज्यादा रहती है और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है।

स्टडी में पता चला है कि 1950 के दशक के बाद से साल के सबसे गर्म दिन में पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में तापमान में 1.5-2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी भी दर्ज की गई। यह रिपोर्ट भारत, नार्वे और नेपाल के क्लाइमेट एक्सपर्ट की टीम ने मिलकर तैयार की है।

पुरानी गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट 10 गुना तक महंगाः 20 साल पुरानी कार की 15,000 और बाइक की 2,000 फीस लगेगी



24 न्यूज अपडेट

पुरानी गाड़ियों का फिटनेस टेस्ट अब 10 गुना तक महंगा हो गया है। मिनिस्ट्री ऑफ रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवेज (MoRTH) ने देश में वाहन फिटनेस सर्टिफिकेट टेस्ट की फीस बढ़ा दी है। ये बदलाव सेंट्रल मोटर व्हीकल रूल्स (फिफ्थ अमेंडमेंट) के तहत लागू कर दिए गए हैं।

नए नियम के तहत अब 20 साल पुरानी कारों का फिटनेस सर्टिफिकेट बनवाने के लिए 15,000 रुपए, बाइक के लिए 2,000 रुपए और हैवी कमर्शियल व्हीकल के लिए 25,000 रुपए देने पड़ेंगे। इसके अलावा, गाड़ियों के लिए फिटनेस सर्टिफिकेट 10 साल में लेना होगा, जो पहले 15 पुरानी गाड़ियों के लिए अनिवार्य था।

फिटनेस के लिए अब उम्र के हिसाब से 3 कैटेगिरी

नई व्यवस्था में गाड़ियों को उम्र के हिसाब से 3 अलग-अलग कैटेगिरी में बांटा गया है। 10 से 15 साल, 15 से 20 साल और 20 साल से अधिक पुरानी गाड़ियां। यानी, जैसे-जैसे गाड़ी की उम्र बढ़ेगी, वैसे-वैसे फिटनेस टेस्ट का खर्च भी बढ़ेगा।

सबसे ज्यादा असर 20 साल से पुरानी कमर्शियल गाड़ियों पर पड़ा है, क्योंकि उन पर फीस 10 गुना तक बढ़ गई है। मंत्रालय का कहना है कि ये बदलाव पुरानी गाड़ियों की सेफ्टी और पर्यावरण स्टैंडर्ड बनाए रखने के लिए जरूरी थे।

तिरुपति लड्डू विवाद- मिलावटी घी से 20 करोड़ लड्डू बनेः 5 साल में 68 लाख किलो घी इस्तेमाल, SIT ने पूर्व चेयरमैन से 8 घंटे पूछताछ की



24 न्यूज अपडेट

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (TTD) के प्रसाद में मिलावट मामले में शनिवार को नया खुलासा हुआ। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने बताया कि TTD ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन बीआर नायडू ने कबूला है कि साल 2019 से 2024 के बीच 48.76 करोड़ लड्डू बनाए गए। इनमें 20 करोड़ लड्डू मिलावटी घी से बनाए गए थे।

TTD के मुताबिक यह अनुमान रोजाना दर्शनार्थियों की संख्या, खरीद के रिकॉर्ड, बनाने और सप्लाई के आंकड़ों को मिलाकर निकाला गया है। SIT ने चेयरमैन बीआर नायडू से आज करीब आठ घंटे पूछताछ की।

2022 में लड्डू प्रसादम में इस्तेमाल होने वाले घी में मिलावट की कई शिकायतें मिली थीं। इसके बाद SIT ने जांच की थी। इसके बाद TTD ने उत्तराखंड की भोलेबाबा डेयरी को ब्लैकलिस्ट कर दिया था।

इसके बावजूद डेयरी मालिकों ने दूसरी डेयरी फर्मों के नाम पर टेंडर हासिल किए और घी की सप्लाई जारी रखी। इनमें वैष्णवी डेयरी (तिरुपति), माल गंगा डेयरी (उत्तर प्रदेश) और AR डेयरी फूड्स (तमिलनाडु) शामिल हैं। ये सब सुब्बा रेड्डी के चेयरमैन रहते हुए हुआ।

SIT ने पूर्व TTD चेयरमैन सुब्बा रेड्डी से यह पूछा कि लैब रिपोर्ट में मिलावट सामने आने के बाद भी घी के टैंकर क्यों मंजूर किए गए।

रेड्डी का कहना है कि उन्हें रिपोर्ट कभी दिखाई ही नहीं गई, और खरीद तकनीकी समिति की सिफारिश पर हुई थी। उनके पूर्व सहायक चिन्ना अप्पन्ना पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

SIT ने TTD के पूर्व EO ए.वी. धर्मा रेड्डी से भी पूछताछ की है। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट नेल्लोर कोर्ट में जमा कर दी है और 15 दिसंबर तक सप्लीमेंटरी चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी कर रही है।

दुबई एयरशो हादसा-तेजस उड़ा रहे विंग कमांडर नमांश की कहानीः पिता से कहा था- यूट्यूब पर लाइव शो देखना, उन्होंने क्रैश और मौत की खबर देखी



24 न्यूज अपडेट

दुबई एयर शो में क्रैश हुए एयरफोर्स के लड़ाकू विमान तेजस में हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के रहने वाले विंग कमांडर नमांश स्याल (34) की मौत हो गई। दुबई में औपचारिकताएं पूरी करके नमांश का पार्थिव शरीर सोमवार तक कांगड़ा आने की उम्मीद है। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव नगरोटा बगवां में किया जाएगा।

नमांश के पिता जगरनाथ स्याल को बेटे की शहादत की खबर यू-ट्यूब पर वीडियो देखते हुए मिली। हादसे से एक दिन पहले नमांश ने ही उन्हें एयरशो के वीडियो टीवी या यूट्यूब पर देखने को कहा था। एयरशो की वीडियो देखते ही उन्हें हादसे के बारे में पता चला। थोड़ी देर बाद वायुसेना के 6 अधिकारी उनके घर पहुंचे। तभी उन्हें बेटे के साथ हुए हादसे की पुष्टि का एहसास हुआ। जगरनाथ स्याल भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं। उन्होंने बताया,

मैं एयरशो के वीडियो देख रहा था, तभी एक रिपोर्ट में तेजस के गिरने की खबर आई। दिल दहल गया। इसके बाद, मैंने बहू को फोन किया, वो खुद भी वायुसेना में हैं।

नमांश स्याल भारतीय वायुसेना में बीते 16 साल से अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनकी पोस्टिंग इन दिनों कोयंबटूर में थी। वह, 6 दिन से दुबई में एयर शो में हिस्सा ले रहे थे। शुक्रवार को एयरपोर्ट पर शो का अंतिम दिन था। उस दिन ही तेजस दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

नमांश के परिवार में उनकी पत्नी अफसान, एक बेटी और उनके माता-पिता हैं। दुर्घटना के समय उनके माता-पिता हैदराबाद घूमने गए थे। उनकी पत्नी अफसान एयरफोर्स में पायलट हैं।

वायुसेना ने बताया कि दुबई के अल मकतूम एयरपोर्ट पर तेजस एमके-1 ने प्रदर्शन के दौरान डेमो उड़ान भरी थी। तभी विमान बेकाबू हो गया और नीचे गिर गया। जमीन से टकराते ही जोरदार धमाका हुआ और काले धुएं के गुबार हवा में फैल गए। हादसे में नमांश की मौत हो गई।

क्रैश के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी की जाएगी। वायुसेना का तेजस जेट क्रैश होने की यह दूसरी घटना है। इससे पहले 2024 में राजस्थान के पोकरण में युद्धाभ्यास के दौरान इंजन फेल होने की वजह से तेजस क्रैश हो गया था।

महिला ने ट्रेन में इलेक्ट्रिक केतली में बनाए नूडल्स, :15 लोगों की चाय भी बनाई; रेलवे ने कहा- एक्शन लेंगे, महिला की तलाश शुरू



ट्रेन के एसी कोच में बैठी एक महिला के इलेक्ट्रिक केतली में नूडल्स बनाने वाला वीडियो वायरल होने के बाद सेंट्रल रेलवे ने शनिवार को इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 20 नवंबर को रिकॉर्ड किया गया यह वीडियो सबसे पहले सरिता लिंगायत के इंस्टाग्राम हैंडल पर पोस्ट किया गया था। इसके बाद वीडियो वायरल हो गया और लाखों बार देखा गया। कई यूजर्स ने रेलवे अधिकारियों को टैग करते हुए इससे गंभीर खतरा बताते हुए नाराजगी जताई।

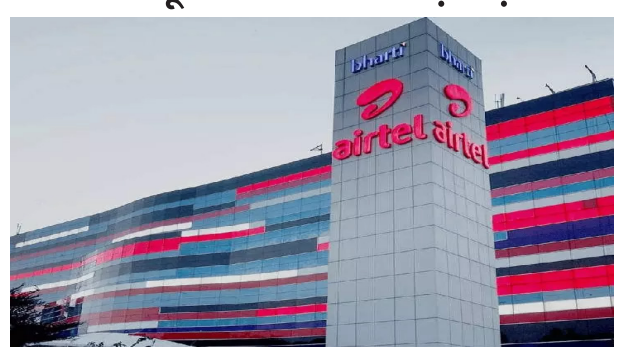
महिला एसी कोच के चार्जिंग सॉकेट में घरेलू इलेक्ट्रिक केतली में नूडल्स पका रही है। वह मजाक में यह भी कहती है कि वह कहीं भी रसोई बना सकती है। वीडियो में महिला मराठी में कह रही है कि वह इसी तरीके से 10-15 लोगों के लिए चाय भी बना चुकी है।

सेंट्रल रेलवे ने X पर लिखा- हमने उस इंस्टाग्राम हैंडल की पहचान कर ली है, जिससे वीडियो पोस्ट किया गया था और जल्द ही ट्रैवल डिटेल्स और CCTV फुटेज की मदद से हम उस महिला को ढूंढ़ लेंगे। रेलवे ने कहा कि महिला के खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा 147 (1) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि केतली जैसे इलेक्ट्रिक डिवाइस 1000-2000 वाट बिजली की खपत करते हैं। जबकि ट्रेन के सॉकेट की क्षमता आमतौर पर 15 वाट से 20 वाट (15W-20W) तक होती है, जो मुख्य रूप से मोबाइल और लैपटॉप जैसे छोटे उपकरणों को चार्ज करने के लिए है।

इन सॉकेट में 110V AC करंट होता है, जो घरेलू 220V-240V से कम है। ओवरलोडिंग से शॉर्ट-सर्किट के चलते बोगी में आग लग सकती है। इससे लाइट, पंखे और एसी सिस्टम पर भी असर हो सकता है। ये अन्य यात्रियों के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

रिलायंस और एयरटेल इस हफ्ते बाजार के टॉप गेनर रहेः वैल्यू 73,000 करोड़ बढ़ी, 10 सबसे बड़ी कंपनियों में 7 की वैल्यू 1.28 लाख करोड़ बढ़ी



24 न्यूज अपडेट

मार्केट वैल्यूएशन के हिसाब से देश की 10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की वैल्यू इस हफ्ते के कारोबार में 1,28,281.52 करोड़ (1.28 लाख करोड़) बढ़ी है। इस दौरान देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्री की वैल्यू सबसे ज्यादा 36,673 करोड़ रुपए बढ़कर 20.92 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है।

इस दौरान टेलीकॉम कंपनी एयरटेल का वैल्यूएशन भी 36,579 करोड़ रुपए बढ़कर 12.33 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। बीते हफ्ते एयरटेल का मार्केट कैप 55,653 करोड़ बढ़कर 11.97 लाख करोड़ पर पहुंचा था।

वहीं, हफ्तेभर के कारोबार में बजाज फाइनेंस की वैल्यू 8,245 करोड़ रुपए घटकर 6.25 लाख करोड़ रुपए पर आ गई है। सरकार की स्वामित्व वाली बीमा कंपनी LIC का वैल्यूएशन 4,522 करोड़ कम होकर 5.71 लाख करोड़ पर आ गया है।

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, उनकी वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की कुल संख्या को उनकी कीमत से गुणा करके किया जाता है।

मान लीजिए... कंपनी 'A' के 1 करोड़ शेयर मार्केट में लोगों ने खरीद रखे हैं। अगर एक शेयर की कीमत 20 रुपए है, तो कंपनी की मार्केट वैल्यू 1 करोड़ x 20 यानी 20 करोड़ रुपए होगी।

भारतीय रेलवे ने बनाया नया रिकॉर्डः माल ढुलाई 1 अरब टन के पार, रोज़ाना 4.4 मिलियन टन लदान



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2025-26 में माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नई ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। रेलवे का कुल माल लदान 1 अरब टन के आंकड़े को पार कर चुका है। 19 नवंबर तक यह बढ़कर 1020 मिलियन टन (MT) तक पहुँच गया है। यह प्रदर्शन न केवल रेलवे की परिचालन क्षमता में सुधार को दर्शाता है, बल्कि देश की मजबूत आर्थिक गतिविधियों का संकेत भी है।

रेलवे की माल ढुलाई में इस प्रगति का आधार कई प्रमुख क्षेत्रों का योगदान रहा। इनमें कोयला 505 मिलियन टन के साथ सबसे आगे रहा, जबकि लौह अयस्क 115 मिलियन टन और सीमेंट 92 मिलियन टन के साथ महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इसके अलावा कंटेनर लदान 59 मिलियन टन, कच्चा लोहा व तैयार इस्पात 47 मिलियन टन, उर्वरक 42 मिलियन टन, खनिज तेल 32 मिलियन टन, खाद्यान्न 30 मिलियन टन तथा स्टील संयंत्रों के लिए कच्चा माल लगभग 20 मिलियन टन दर्ज किया गया है। अन्य वस्तुओं का लदान 74 मिलियन टन रहा। दैनिक माल ढुलाई की बात करें तो भारतीय रेलवे औसतन 4.4 मिलियन टन माल का परिवहन कर रहा है, जो पिछले वर्ष के 4.2 मिलियन टन की तुलना में अधिक है। विशेषज्ञों के अनुसार यह वृद्धि बेहतर परिचालन दक्षता और उद्योगों की बढ़ती मांग का परिणाम है। अप्रैल से अक्टूबर 2025 की अवधि में भी रेलवे ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। इस दौरान कुल माल लदान 935.1 मिलियन टन दर्ज किया गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 906.9 मिलियन टन था। साल-दर-साल हुई यह वृद्धि दर्शाती है कि रेलवे उद्योगों की आवश्यकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर रहा है। रेलवे ने हाल के वर्षों में सीमेंट क्षेत्र के लिए कई नीतिगत सुधार भी लागू किए हैं। बल्क सीमेंट टर्मिनलों के लिए नई नीति तथा कंटेनरों में बल्क सीमेंट परिवहन के लिए तर्कसंगत दरें निर्धारित की गई हैं। इन कदमों से सीमेंट परिवहन तेज, अधिक कुशल और सस्ता होगा, साथ ही पारगमन समय और लॉजिस्टिक लागत में कमी आएगी। इससे निर्माण क्षेत्र को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद है। रेल मार्ग द्वारा थोक माल के परिवहन में वृद्धि से पर्यावरण संरक्षण में भी महत्त्वपूर्ण योगदान हो रहा है। रेल परिवहन के बढ़ने से कार्बन उत्सर्जन कम होता है, राजमार्गों पर भारी वाहनों का दबाव घटता है और उद्योगों—विशेष रूप से एमएसएमई—को हरित व लागत-कुशल लॉजिस्टिक्स के विकल्प उपलब्ध होते हैं। रेलवे की यह उपलब्धि भारत के नेट-ज़ीरो उत्सर्जन लक्ष्यों की दिशा में एक बड़ी प्रगति मानी जा रही है और रेलवे को देश की आर्थिक तथा पर्यावरणीय प्रगति के प्रमुख आधार के रूप में स्थापित करती है।



संपादकीय : अधिकार और सीमा

राज्यों की विधानसभा में पारित विधेयकों को लेकर राज्यपाल और राष्ट्रपति की स्वीकृति के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जो व्यवस्था दी है, उसे देश के संघीय ढांचे में शक्ति संतुलन के लिए राह निकालने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। इसे लेकर काफी समय से स्पष्टता की जरूरत महसूस की जा रही थी कि अगर विधानसभा में किसी विधेयक को पारित कर दिया गया है तो राज्यपाल उसे मंजूरी देने को लेकर कितना समय ले सकते हैं। तमिलनाडु में यह मुद्दा ज्यादा मुखर रूप में सामने आया, जहां राज्य की द्रमुक सरकार और राज्यपाल नीतिगत मामलों को लेकर आमने-सामने देखे गए। इसी संदर्भ में स्पष्टता के लिए राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से सलाह मांगी थी। अब शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा तय नहीं कर सकती। मगर अदालत ने यह भी कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पारित हुए विधेयकों को अनंतकाल तक अपने पास लटकाए नहीं रख सकते। लंबे समय तक देरी या बिना वजह बताए रोके रखने के मामलों में अदालतें राज्यपाल के विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए सीमित निर्देश जारी कर सकती हैं। जाहिर है, अदालत ने समयारीमा निर्धारित करने के सवाल पर राज्यपाल और राष्ट्रपति के अधिकारों के मामले में एक तरह से शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को ध्यान में रखा है, लेकिन साथ ही संघीय ढांचे की अहमियत को दर्ज करते हु स्थिति स्पष्ट की है कि राज्यपाल पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोके रखने की छूट नहीं ले सकते। इस तरह देखें तो कहा जा सकता है कि राज्य में निर्वाचित सरकार ही मुख्य भूमिका में होगी और सत्ता के दो केंद्र नहीं हो सकते। दरअसल, अनेक मौकों पर ऐसे विवाद सामने आते रहे हैं कि जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां विवनसभा में पारित होने के बावजूद विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपाल नाहक देरी करते हैं या फिर बिना वजह बताए पारित विधेयकों को रोके रखते हैं। तमिलनाडु में इस विवाद ने तूल पकड़ लिया था। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में भी कम से कम तैंतीस विधेयकों के विधानसभा से पारित होने की खबरें आई हैं, जो राज्यपाल या राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि अगर किसी राज्य में विधानसभा ने एक विधेयक को उचित प्रावधानों का पालन करते हुए पारित किया है तो जनहित के मद्देनजर उस पर राज्यपाल की स्वीकृति मिलनी चाहिए। अगर नियमों की कसौटी या अन्य आधार पर विधेयक में कोई तकनीकी त्रुटि है, तो उसकी वजह बता कर उसे वापस करना या प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का विकल्प अपनाना चाहिए। मगर बिना किसी मजबूत आधार या स्पष्टता के किसी विधेयक को जरूरत से ज्यादा वक्त तक लंबित रखा जाता है तो उसकी अहमियत कम भी हो जा सकती है। इससे राज्य और संघ के बीच नाहक टकराव की स्थिति भी बन सकती है, क्योंकि कई बार राज्यपाल पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगता रहा है। इसलिए एक मजबूत संघीय ढांचे में भी हर हाल में लोकतंत्र के जीवन के लिए शक्तियों और उसकी सीमा को लेकर स्पष्टता बनी रहनी चाहिए। साथ ही संवैधानिक पदों पर बैठे लोग अगर संविधान की मर्यादा का खबल रखें, तो इससे लोकतंत्र को भी मजबूती मिलेगी।

तपेदिक के पांव

यह बेहद चिंताजनक है कि जहां देश में लक्ष्य के मुताबिक इस वर्ष तक तपेदिक को खत्म हो जाना चाहिए था, वहीं इसमें और ज्यादा बढ़ोतरी होती देखी जा रही है। ऐसा लगता है कि तपेदिक के उन्मूलन के लिए जो नीतिगत कसौटियां तय की गई, उसे लागू करने को लेकर वा तो लापरवाही बरती गई या फिर वे व्यावहारिक नहीं थीं। गौरतलब है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के क्षय रोग प्रभाग ने बताया कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2025 तक तपेदिक यानी टीबी रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन आज हालत यह है कि पिछले पांच वर्ष में इस रोग के मरीजों की संख्या में डेढ़ गुना की खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सन 2020 में जहां देश में टीबी के रोगियों की संख्या अठारह लाख पांच हजार छह सौ सत्तर थी, वहीं 2024 में इस संक्रामक बीमारी का शिकार होने वाले मरीजों की तादाद बढ़ कर छब्बीस लाख सत्रह हजार नौ सौ तेईस हो गई। सवाल है कि टीबी रोग के उन्मूलन लिए जो नीतियां अपनाई गई या 'निश्चय पोषण योजना', मुफ्त दवा और इलाज की सुविधाओं जैसे उपाय किए गए, उनमें कहां कमी रह गई कि आज खत्म होने के बजाय तपेदिक के मामलों में डेढ़ गुना तक का इजाफा हो गया। तपेदिक एक संक्रामक रोग है। इसीलिए इसकी जद में आने वाले व्यक्ति के इलाज को लेकर ज्यादा संवेदनशीलता बरती जाती है। समय पर इस रोग की पहचान और उसके इलाज की शुरुआत इसके संक्रमण की आशंकाओं को कम करता है तथा मरीज के पूरी तरह ठीक होने की संभावना बनती है। इसमें जरा भी लापरवाही से न केवल किसी मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है, बल्कि अन्य लोगों के बीच इसके फैलने का जोखिम पैदा हो सकता है। विडंबना यह है कि जागरूकता के अभाव में न केवल आम लोग इस रोग के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी करते हैं, बल्कि इसके मरीजों के प्रति सामाजिक उपेक्षा की वजह से भी स्थिति बिगड़ती है। जाहिर है, स्वास्थ्य के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धियों के सरकारी दावे के बरक्स जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियानों के साथ-साथ अन्य ठोस कदम उठाने की जरूरत है, ताकि तपेदिक के उन्मूलन का लक्ष्य वास्तविक रूप में हासिल किया जा सके।

मां नहीं पाल सकी, सिस्टम ने संभाला: नवजात का सम्मानपूर्वक शिशु गृह में आगमन



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। जिले में समाज की सोच में एक सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। जहां पहले नवजात शिशुओं को झाड़ियों और कचरे के ढेरों पर छोड़ देने की दर्दनाक घटनाएँ सामने आती थीं, वहीं अब अभिभावक असमर्थता की स्थिति में 'सुरक्षित परित्याग' जैसी व्यवस्था का उपयोग करने लगे हैं। इस बदलाव ने न केवल कई मासूमों की जान बचाई है, बल्कि उन्हें सुरक्षित घर, प्यार और भविष्य देने का रास्ता भी खोला है। इसी परिवर्तन की एक मिसाल शुक्रवार को देखने को मिली, जब जिले की एक बिन ब्याही मां ने निजी कारणों से अपने नवजात की परवरिश करने में असमर्थता जताई। जानकारी मिलते ही बाल अधिकारिता विभाग की टीम सक्रिय हुई और बच्चे को सुरक्षित प्रक्रिया के तहत जिला अस्पताल से शिशु गृह तक लाया गया। ढोल-नगाड़ों की ताल और सम्मानजनक स्वागत के साथ बच्चे को शिशु गृह में प्रवेश दिलाया गया, जहाँ उसके नए जीवन अध्याय की शुरुआत हुई। शिशु गृह में केयरटेकर ने नवजात को गोद में लेकर सुरक्षा, देखभाल और पोषण की जिम्मेदारी संभाली। विभाग के अनुसार आगे चलकर बच्चे को विधिक प्रक्रिया के तहत दत्तक माता-पिता मिलेंगे, जिससे उसे स्थायी परिवार का स्नेह प्राप्त होगा। बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक डॉ. कल्पित शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की 'सुरक्षित परित्याग' पहल ने स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है। पहले असहाय महिलाएँ मजबूरी में नवजात को खतरनाक स्थानों पर छोड़ देती थीं, जिससे जान का जोखिम कई गुना बढ़ जाता था। अब यह व्यवस्था उन्हें मनोवैज्ञानिक और कानूनी सुरक्षा प्रदान करती है, साथ ही बच्चों का भविष्य भी भरोसेमंद हाथों में जाता है। डॉ. शर्मा ने कहा कि अस्पताल में चिकित्सा परीक्षण के बाद बाल कल्याण समिति के निर्देशानुसार बच्चे को शिशु गृह की कस्टडी में लिया गया। "यह प्रक्रिया बच्चों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली महत्वपूर्ण पहल है," उन्होंने कहा।डूंगरपुर में 'सुरक्षित परित्याग' के बढ़ते उपयोग से स्पष्ट है कि समाज अनचाहे नवजातों के प्रति संवेदनशील बन रहा है और असहाय माताओं को भी यह भरोसा मिल रहा है कि उनका बच्चा सम्मानपूर्वक, सुरक्षित वातावरण में पलेगा।

डॉ.मुर्डिया से 30 करोड़ की ठगी: रैकेट का पर्दाफाश, विक्रम भट्ट की पत्नी के खाते में जाता था पैसा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फिल्म बनाने का सपना दिखाकर शहर के नामी चिकित्सक से 30 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि फिल्म निर्देशक विक्रम भट्ट और उनके सहयोगियों द्वारा तैयार की गई योजना के तहत पीड़ित से लिए गए करोड़ों रुपये फर्जी वेंडरों के खातों के जरिये विक्रम भट्ट की पत्नी श्वेतांबरी भट्ट के बैंक खाते में भेजे जाते थे। पुलिस रिमांड पर चल रहे दो आरोपियों—को-प्रोड्यूसर महबूब अंसारी और वेंडर संदीप विश्वनाथ त्रिभुवन—ने पूछताछ में यह जानकारी दी है। दोनों को 23 नवंबर तक रिमांड पर रखा गया है और पुलिस उनसे लगातार पूछताछ कर रही है। मामले के अनुसार इंदिरा IVF के संस्थापक डॉ. अजय मुर्डिया को चार फिल्मों में निवेश करवाने का प्रलोभन देकर लगभग 30 करोड़ रुपये हड़पे गए। आरोप है कि डॉक्टर को 200 करोड़ की कमाई का झांसा देकर भुगतान करवाए गए। इस मामले में विक्रम भट्ट, उनकी पत्नी श्वेतांबरी, बेटी कृष्णा भट्ट सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। जांच में यह भी सामने आया कि डॉक्टर से ऑनलाइन पेमेंट करवाने के लिए दर्जनों फर्जी वेंडर तैयार किए गए थे। पेंटर, ऑटो चालक से लेकर छोटे दुकानदारों तक को वेंडर बनाकर फर्जी बिल उठाए जाते थे। आरोपियों ने स्वीकार किया है कि 25 से अधिक बार इन फर्जी खातों में पेमेंट आया, जिसमें हर बार लगभग दो लाख रुपये लिए जाते थे। इनमें से करीब 1.40 लाख रुपये श्वेतांबरी भट्ट के खाते में ट्रांसफर कर दिए जाते थे, जबकि शेष 60 हजार रुपये वेंडर अपने पास रख लेते थे। पुलिस अब उदयपुर निवासी दिनेश कटारिया की तलाश में जुटी है, जिसने पीड़ित डॉक्टर और विक्रम भट्ट के बीच डील करवाई थी। जानकारी मिली है कि कटारिया मुंबई में छिपा हुआ है। इसके अलावा दिल्ली निवासी मुदित बुटट्टान, गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव (डीएससी चेयरमैन), और फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलाइज से जुड़े दो पदाधिकारी—अशोक दुबे और अन्य—भी जांच के दायरे में हैं। पुलिस इन सभी की गतिविधियों पर निगरानी रखे हुए है और उनकी भूमिका स्पष्ट होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फर्जीवाड़े के बढ़ते सबूतों के बीच अब निर्देशक विक्रम भट्ट भी गिरफ्तारी की जद में आ गए हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने बॉम्बे हाईकोर्ट में ट्रांजिट बेल की अर्जी दायर की है। जाँच में सामने आया है कि चार फिल्मों के नाम पर कुल 44.29 करोड़ रुपये लिए गए थे, जिनमें 'महाराणा' (जिसका नाम बाद में रण बताया गया) नामक फिल्म के लिए ही 25 करोड़ का करार हुआ था। इस फिल्म की शूटिंग आज तक शुरू नहीं हुई।

नकबजनी करने वाला हिस्ट्रीशीटर और साथी 24 घंटे में गिरफ्तार, 8 तोला सोना और 30 तोला चांदी सहित कैमरा-पर्स बरामद



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भूपालपुरा थाना पुलिस ने एक बड़ी नकबजनी वारदात का खुलासा करते हुए 24 घंटे में ही हिस्ट्रीशीटर कुन्दन सिंह कुशवाह और उसके साथी मोहम्मद रफीक उर्फ टाटु को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से करीब 8 तोला सोना और 30 तोला चांदी के जेवरात सहित चोरी किया गया कैमरा, पर्स और दस्तावेज बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा और वृताधिकारी नगर पूर्व छगन पुरोहित के सुपरविजन में की गई। टीम का नेतृत्व भूपालपुरा थानाधिकारी आदर्श कुमार ने किया। रात में घर में घुसकर अलमारी तोड़ी, जेवरात-नकदी उड़ाई 19 नवंबर की रात 2 से 3 बजे के बीच लौहार कॉलोनी, आयड निवासी मुख्तार अहमद के घर में दो चोर घुसे। परिवार सो रहा था, इसी बीच चोरों ने पीछे के कमरों की अलमारी का ताला तोड़ा और जेवरात, नकदी व दस्तावेज चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान में शामिल थे—एक सोने की नेकलेस सोने के दो जोड़ी टॉप्स सोने की बाली—3 नग सोने के लॉग—8 नग सोने की अंगूठी चांदी की तीन जोड़ी पायजेब पांच चांदी की बिछिया एक ओल्मपस कैमरा पर्स, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड और दस्तावेज सुबह 6 बजे घटना का पता चलने पर पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई। सीसीटीवी में दिखा हिस्ट्रीशीटर, सख्ती से पूछताछ में कबूला जुर्म अनुसंधान के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर कुन्दन कुशवाहा एक अन्य युवक के साथ दिखाई दिया। सूत्रों से मिली जानकारी पर पुलिस ने कुन्दन को डिटेन कर सख्ती से पूछताछ की, जहां उसने अपने साथी रफीक मोहम्मद उर्फ टाटु का नाम बताते हुए पूरा जुर्म कबूल लिया। इसके बाद पुलिस टीम ने रफीक को भी पकड़ लिया, जो वारदात के बाद भागने की फिराक में था। 24 घंटे में रिकवरी: सोना-चांदी और चोरी का सामान बरामद दोनों आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गए सभी सामान बरामद कर लिए— जिसमें करीब 8 तोला सोना, 30 तोला चांदी, कैमरा और पर्स शामिल हैं। प्रकरण में आगे की जांच जारी है।

पुलिस टीम

आदर्श कुमार,
थानाधिकारी भूपालपुरा
दिनेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक
सुनिल कुमार, कॉन्स्टेबल 2381
देवीलाल, कॉन्स्टेबल 3081
विजयसिंह, कॉन्स्टेबल 776

विधि महाविद्यालय की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन, अंतर-महाविद्यालय महिला बास्केटबॉल टूर्नामेंट में चैंपियन बनी टीम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में विज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालय बास्केटबॉल (महिला) प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय विधि महाविद्यालय की टीम ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में विधि महाविद्यालय ने विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय को 29-17 से पराजित कर प्रतियोगिता की विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। मुकाबले के दौरान विधि महाविद्यालय की खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और आक्रामक खेल के साथ शानदार डिफेंस दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को दबाव में रखा। टीम में गिरजा मीणा, कशिश आशिया, आयुषी भारद्वाज, खुशी रमेजा, श्रीधरा कुमारी पंवार, अपूर्वा सूर्यवंशी, प्रियल व्यास और रूद्राक्षी शर्मा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। जीत के बाद विधि महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों ने बास्केटबॉल महिला टीम को बधाई देते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। महाविद्यालय प्रशासन ने कहा कि छात्राओं ने उत्कृष्ट टीमवर्क और खेल-भावना का परिचय देकर संस्थान का गौरव बढ़ाया है।

उदयपुर की चार्मी खमेसरा ने किया गौरवान्वित'



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 नवंबर। नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर में अध्ययनरत् उदयपुर की चार्मी खमेसरा ने राष्ट्र स्तरीय निबंध मूल्यांकन एवं एसेसमेंट में द्वितीय स्थान प्राप्त कर उदयपुर को एक बार फिर गौरवान्वित किया है। चार्मी ने इंसॉल्वेंसी एण्ड बैंकरप्सी बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'आईबीसी का दशक-दिवाला कानून की समकालीन प्रैक्टिस-करियर, चुनौतियां और परिवर्तन की प्रक्रिया में कोड' विषयक निबंध मूल्यांकन एवं एसेसमेन्ट में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सुश्री चार्मी ने अपने निबंध में दिवाला कार्यवाही के दौरान संवेदनशील विमानन सूचनाओं की सुरक्षा में आने वाली संविदात्मक और कानूनी बाधाओं पर समग्र मूल्यांकन प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि के लिये उन्हें प्रोत्साहन स्वरुप देश की प्रतिष्ठित लॉ फर्मों में इन्टरशिप का अवसर भी प्राप्त होगा। उल्लेखनीय है कि चार्मी के पिता दिनकर खमेसरा एवं माता कल्पना रांका राजस्थान सरकार में लेखाधिकारी पद पर सेवारत है।

कोठारी नदी किनारे मिट्टी धंसने से दो मजदूरों की मौत, भीलवाड़ा में दर्दनाक हादसा



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा . भीलवाड़ा में बुधवार सुबह कोठारी नदी के पास मिट्टी भराई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। नदी के किनारे खुदाई करते समय मिट्टी का भारी ढेर अचानक जमीन के साथ धंस गया, जिसकी चपेट में दो युवक आ गए। दोनों मिट्टी में दबे रहे और दम घुटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सदर थाना क्षेत्र में कामधेनु बालाजी मंदिर के पीछे हुई, जहां सुबह कुछ युवक ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर मिट्टी भरने पहुंचे थे। मजदूर नदी से मिट्टी निकाल ही रहे थे कि अचानक ऊपर का हिस्सा टूटकर ढह पड़ा। हादसा इतना तेज था कि आसपास मौजूद लोग तुरंत उनकी मदद भी नहीं कर पाए और देखते ही देखते दोनों युवक ढेर के नीचे दब गए।

अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित हादसे की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर एकत्र हो गए। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों की मदद से दोनों मजदूरों को बाहर निकाला। उन्हें तुरंत महात्मा गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पहचान हुई, मॉर्च्युरी के बाहर परिजनों का कोहराम

पुलिस ने मृतकों की पहचान दीपू सिंह (27) पुत्र भंवर सिंह रावना राजपूत और पूरण (29) पुत्र दुर्गा लाल बागरिया के रूप में की है। दोनों के शव अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं। पोस्टमॉर्टम के लिए परिजन पहुंच चुके हैं और मॉर्च्युरी के बाहर भारी भीड़ जमा हो गई है।

जांच जारी

थाना प्रभारी कैलाश कुमार विश्नोई ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला मिट्टी का ढेर अचानक ढहने से हुआ हादसा प्रतीत होता है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और घटना की पूरी जांच की जा रही है कि क्या मौके पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या लापरवाही के चलते यह दुर्घटना हुई।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

अजमेर में महिला टीचर पर 45 लाख हड़पने का आरोपः मकान बेचने के नाम पर धोखाधड़ी,झूठे मुकदमे में फसाने की दी धमकी



24 न्यूज अपडेट

अजमेर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में महिला गवर्नमेंट टीचर के द्वारा धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया की महिला ने अपने 250 गज मकान को बेचने के नाम पर 45 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित की शिकायत पर अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा के रहने वाले कुलदीप सिंह सोलंकी ने मामला दर्ज करवाया है। पीड़ित का आरोप है कि आदर्श नगर निवासी गवर्नमेंट टीचर मंजूलता श्रीवास्तव से उनकी अच्छी जान पहचान थी। महिला के द्वारा एक दिन उसे और उसकी पत्नी से उसका 250 गज मकान को बेचने की बात कही थी। जिसकी बाजार में कीमत 1.5 करोड़ से ज्यादा बताई थी।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद मकान का सौदा एक करोड़ 10 लाख में तय हुआ था। जिसका भुगतान किश्तों में देने की बात हुई थी।

पीड़ित ने बताया कि इसमें उसने अपने चार दोस्तों को शामिल कर महिला टीचर को भुगतान देना शुरू कर दिया। सभी के द्वारा करीब अलग-अलग ट्रांजैक्शन कर करीब 45 लाख रुपए उसे दिए गए। लेकिन महिला टीचर ने षडयंत्र कर उससे लाखों रुपए हड़प लिए और उसके द्वारा भुगतान नहीं किया जा रहा और ना ही मकान की रजिस्ट्री करवाई जा रही है। संपर्क करने पर मुकदमे में फंसने की धमकी दी जा रही है। अलवर गेट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ज्वेलरी शॉप में लूट करने वाले दो बदमाश गिरफ्तारः 48 किलो चांदी और 170 ग्राम सोना बरामद, दो आरोपी फरार



24 न्यूज अपडेट

जयपुर में ज्वेलरी शॉप में लूट के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से 48 किलोग्राम चांदी और 170 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं।

लूट की वारदात जौहरी बाजार स्थित सिद्धि विनायक कॉम्प्लेक्स स्थित गजानंद ज्वेलर्स में 19 नवंबर की रात को हुई थी। मामला माणकचौक थाने का है।

तीन बदमाशों ने कॉम्प्लेक्स का शटर और चैनल गेट तोड़कर दुकान में प्रवेश किया था। सुरक्षा गार्डों को बंधक बनाकर जेवर लूटकर फरार हुए थे।

लूट की दो और वारदात करना कबूला

डीसीपी नॉर्थ करण (IPS) ने बताया कि आरोपी अकरम (24) पुत्र मेहरबान और हितेश प्रजापत (22) उर्फ संजू पुत्र ललित प्रजापत निवासी जयसिंहपुराखोर, जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने दो अन्य घटनाओं जयसिंहपुराखोर, जयपुर स्थित एक ज्वेलरी दुकान में नकबजनी और टोंक में 20 लाख रुपए की लूट करना कबूला है।

दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। इनके विरुद्ध पहले भी चोरी, लूट, मारपीट आदि के कई प्रकरण दर्ज हैं। मामले में दो आरोपी तोहिद पुत्र खुर्शीद अली और अशफाक पुत्र कमरूद्दीन निवासी टोंक फरार है।

वारदात से पहले की थी रेकी

बदमाशों ने वारदात से पहले रेकी की थी। घटना स्थल और आस-पास के 200 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया गया। अपराधियों के आने-जाने का रूट चिह्नित किया गया। माणकचौक पुलिस ने दोनों बदमाशों अकरम और हितेश को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया।

इनके कब्जे से 38 किलोग्राम चांदी (आभूषण और बर्तन), 170 ग्राम सोने के आभूषण और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई। अब तक कुल लगभग 48 किलोग्राम चांदी चोरी होना सामने आया है।

अमायरा की तरफ छात्र ने गलत इशारा किया थाः क्लास में फैलाई थी अफवाह, डेढ़ साल से परेशान थी; टीचर ने किया नजरअंदाज



24 न्यूज अपडेट

जयपुर के नीरजा मोदी स्कूल में 9 साल की स्टूडेंट अमायरा की मौत के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। अमायरा को डेढ़ साल से उसकी क्लास के कुछ बच्चे बुली कर रहे थे। एक बच्चे ने उसे गलत इशारा भी किया था। यही नहीं, अमायरा ने एक बच्चे को कुछ बोला, ऐसी गलत बात भी क्लास में फैला दी थी।

अमायरा खुशमिजाज और होशियार बच्ची थी। लेकिन लगातार बुलिंग और स्कूल की तरफ से कार्रवाई नहीं होने से उसकी मानसिक स्थिति पर प्रभाव पड़ा। CBSE कमेटी की रिपोर्ट में मां की स्कूल में की गई शिकायत का भी जिक्र है।

दरअसल, CBSE कमेटी की टीम 3 नवंबर को सरप्राइज इंस्पेक्शन पर स्कूल में गई थी। सीबीएसई ने जांच कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर स्कूल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

1. अमायरा के क्लासमेट ने किया था अभद्र इशारा

अमायरा को पिछले डेढ़ साल से उसकी क्लास के ही कुछ बच्चे बुली कर रहे थे। 2 मई 2024 को अमायरा की मां ने स्कूल में शिकायत भी की थी। इसमें कहा था कि अमायरा को किसी बच्चे ने गलत इशारा किया था। 25 जुलाई 2024 को वापस उसी लड़के ने अमायरा को परेशान किया गया था।

2. अमायरा को स्कूल में बच्चे ने मारा था

25 जुलाई 2024 को अमायरा को स्कूल में एक बच्चे ने मारा था। वह रोते हुए घर आई थी। अमायरा के परिजनों ने उसके रोने और गिड़गिड़ाने का ऑडियो सब्मिट किया। इसमें उसने कहा था कि- 'मम्मा, मैं स्कूल नहीं जाना चाहता, सब लोग मुझे परेशान करते हैं। प्लीज मुझे यहां से निकालो। मुझे दूसरे स्कूल में एडमिशन दिला दो।' बच्चे ने स्कूल में अमायरा को मारा था। इस घटना के बाद अमायरा के पेरेंट्स ने इसकी शिकायत स्कूल प्रशासन और क्लास टीचर से की थी, लेकिन टीचर ने कोई समाधान नहीं किया।

3. टीचर ने अमायरा को ही एडजस्ट करने को कहा सितंबर 2025 में भी अमायरा को उसके क्लास के एक लड़के ने बुली करते हुए परेशान किया था। पेरेंट्स-टीचर मीटिंग के दौरान अमायरा के पिता ने इसकी शिकायत क्लास टीचर से की थी। टीचर ने अमायरा को सलाह दी कि उसे दूसरे बच्चों के साथ एडजस्ट करने की जरूरत है।

4. 45 मिनट में 5 बार क्लास टीचर के पास गई थी

10 अक्टूबर को एक बच्चे ने क्लास में अमायरा के बारे में गलत बात फैला दी। इससे अमायरा परेशान हो गई। क्लास के दूसरे बच्चे भी उसे इस बात के लिए चिढ़ाने लगे। स्लेट पर कुछ ऐसा लिखा कि अमायरा रोने लगी। अमायरा के रिएक्शन से पता चला कि वह हैरान और परेशान थी।

उसके चेहरे पर शर्मिंदगी दिख रही थी। अमायरा ने बच्चों को रुकने या जो लिखा था, उसे मिटाने के लिए रिक्वेस्ट की थी, लेकिन उन्होंने अमायरा का मजाक उड़ाना जारी रखा। अमायरा को कुछ क्लासमेट्स ने घेर लिया और परेशान किया। इस दौरान 45 मिनट में 5 बार टीचर के पास अपनी समस्या लेकर गई, लेकिन ध्यान नहीं दिया गया।

5. टीचर ने माना अमायरा ने शिकायत की थी

टीचर ने खुद 2 नवंबर, 2025 को SHO के सामने माना कि अमायरा ने कई बार शिकायत की थी। उन्होंने अपने लिखे हुए बयान में यह भी माना कि अमायरा ने क्लासमेट्स की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे बुरे शब्दों की शिकायत की थी। अमायरा ने अपना लंच भी नहीं किया था। अमायरा की असमय मौत का सीधा कारण टीचर का कोई जवाब न देना, न सुनना, और उसकी प्रॉब्लम्स के प्रति सेंसिटिविटी की कमी है। अगर उन्होंने शुरू में ही दखल दिया होता, तो प्रॉब्लम इतनी बड़ी नहीं होती।

ऑनलाइन धोखाधड़ी के आरोपी की जमानत याचिका खारिजः पहले बनाया गिरोह, फिर फर्म के जरिए राजस्थान से बाहर किए करोड़ों के ट्रांजैक्शन



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर पीठ ने ऑनलाइन ठगी के मामले में आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी। आरोपी की फर्म से करोड़ों रुपए का संदिग्ध ट्रांजैक्शन किया गया था।

दरअसल, श्रीगंगानगर के सदर थाने में दर्ज प्रकरण में आरोपी कृष्णा शर्मा को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार करने के बाद कृष्णा शर्मा की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में जमानत आवेदन का प्रार्थना पत्र पेश किया गया।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आरोपी की फर्म करणी ट्रेडिंग के बैंक खाते से UPI / NEFT के माध्यम से 99 करोड़ 65 लाख 47 हजार 938 रुपए का लेन-देन संदिग्ध माना। जिसमें कुछ प्रकरण साइबर क्राइम का भी होना पाया गया।

आरोपी कृष्णा ने गिरोह बनाकर की ठगी की वारदात

परिवादी कट्टपा चौहान के अधिवक्ता शिवसिंह बड़गुर्जर की ओर से जमानत याचिका का विरोध किया गया। अधिवक्ता ने कहा कि आरोपी कृष्णा शर्मा ने अन्य लोगों के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बनाकर आम लोगों के साथ ठगी की है, जो राजस्थान और राजस्थान के बाहर विजयपुर, कर्नाटक के रहने वाले हैं।

जस्टिस योगेन्द्र कुमार पुरोहित की एकलपीठ ने खारिज की याचिका

उक्त बिन्दुओं को हाईकोर्ट के सामने रखा गया, जिसे गंभीर माना। इसके बाद हाईकोर्ट जस्टिस योगेन्द्र कुमार पुरोहित की एकलपीठ की ओर से आरोपी कृष्णा पर लगे गंभीर आरोप, जिसमें आम लोगों से ठगी किए जाने और साइबर क्राइम की गंभीरता को देखते हुए जमानत याचिका खारिज की गई।

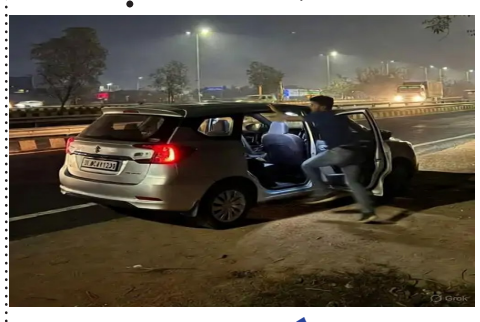
यह है पूरा मामला

गिरोह पर CAPPMOREFX के नाम से कंपनी का गठन करके दो हजार करोड़ रुपए से अधिक की ठगी करने का मुकदमा श्रीगंगानगर के सदर थाने में दर्ज हुआ था।

आरोपियों में कालिया और हाल रिद्धि-सिद्धि सैकंड निवासी निवासी लाजपत नायक, उसके बेटे दीपक नायक, अजय नायक, चुनावद व हाल वास्तुदेवनगर पानी वाली टंकी के पास निवासी सौरभ चावला और उसकी पत्नी सलोनी चावला, राजेंद्र सिंह, तीन वाई निवासी कर्मजीत सिंह और पंजाब के वरियामखेड़ा निवासी डॉक्टर बलजीत सिंह के नाम शामिल है।

इसमें कर्नाटक के इंगलानी के विजयपुरा निवासी कट्टपा चौहान और उसके साथ के करीब 10-12 अन्य पीड़ितों की ओर से थाने में परिवाद दिया गया था। आरोपी कृष्णा की फर्म के जरिए भी बड़े अमाउंट का ट्रांजैक्शन किया था।

बिजनेसमैन का किडनैप कर लूटे 1.80 लाख रुपएः दोस्ती कर मिलने बुलाया, लड़की ने बदमाशों के साथ मिलकर की मारपीट, चलती कार से फेंका



24 न्यूज अपडेट

जयपुर में एक बिजनेसमैन को किडनैप कर 1.80 लाख रुपए वसूलने का मामला सामने आया है। टेलीग्राम के जरिए लड़की ने दोस्ती कर बिजनेसमैन को मिलने बुलाया। लड़की ने साथी बदमाशों के साथ मिलकर किडनैप किया। इस दौरान उसके साथ चलती कार में मारपीट की गई।

बदमाश रुपए छीनने के बाद बिजनेसमैन को फेंक कर फरार हो गए। मुहाना थाने में शनिवार सुबह पीड़ित बिजनेसमैन की शिकायत पर FIR दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

विश्वकर्मा निवासी व्यापारी के साथ हुई लूट

मुहाना थाने के SHO गुर भूपेन्द्र सिंह ने बताया- लूट की वारदात विश्वकर्मा निवासी 45 वर्षीय ट्रांसपोर्ट बिजनेसमैन के साथ हुई। कुछ दिनों पहले टेलीग्राम के जरिए बिजनेसमैन की एक लड़की से बातचीत हुई।

व्यापारी की टेलीग्राम के जरिए हुई थी लड़की से दोस्ती

टेलीग्राम से कॉन्टैक्ट में आई लड़की ने बातचीत के दौरान उसके साथ दोस्ती कर ली। फिर कॉल-मैसेज के दौरान बातचीत करने पर लड़की मिलने का दबाव बनाने लगी।

व्यापारी का किडनैप कर मारपीट की

आरोप है कि शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे बिजनेसमैन को मिलने के बहाने मुहाना बुलाया गया। जहां लड़की ने कार में अपने 3-4 साथियों के साथ मिलकर उसका किडनैप कर लिया। इतना ही नहीं चलती कार में उसके साथ मारपीट भी की गई।

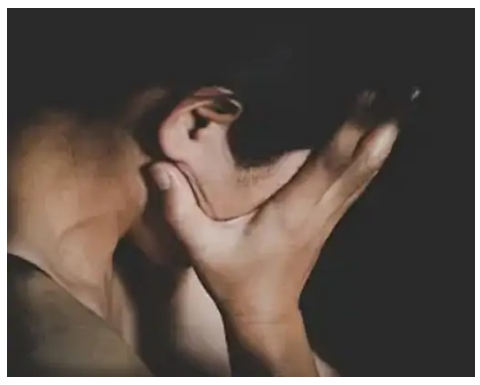
बदमाशों ने 9 घंटे तक इधर-उधर घुमाया

इस दौरान किडनैपर्स करीब 9 घंटे तक उसे कार में इधर-उधर घुमाते रहे। बदमाशों ने मारपीट कर बिजनेसमैन से ऑनलाइन 1.80 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए। फिर शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे वाटिका के पास उसे फेंक कर बदमाश फरार हो गए।

पुलिस को पीड़ित व्यापारी ने आपबीती सुनाई

घायल हालत में पीड़ित व्यक्ति जैसे-तैसे राहगीरों की मदद से मुहाना थाने पहुंचा। पीड़ित बिजनेसमैन ने आपबीती सुनाते हुए टेलीग्राम फ्रेंड सहित उसके साथियों के खिलाफ FIR दर्ज करवाई। पुलिस ने पीड़ित का मेडिकल करवाकर किडनैपर्स की तलाश शुरू कर दी है।

होमगार्ड ने महिला अटेंडेंट से किया रेपः शादी का झांसा देकर बनाया शिकार, 3 साल तक अश्लील वीडियो से किया ब्लैकमेल



24 न्यूज अपडेट

अजमेर में एक महिला अटेंडेंट से रेप का मामला सामने आया है। महिला ने एक होमगार्ड पर 3 साल तक अश्लील वीडियो से ब्लैकमेल कर रेप करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित ने आरोपी होमगार्ड पर शादी का झांसा देते हुए रेप की घटना को अंजाम देने की शिकायत अलवर गेट थाने में दी है। अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अलवर गेट थाना पुलिस के अनुसार पीड़िता ने शिकायत देकर बताया कि वर्ष 2022 में अजमेर के एक अस्पताल में उसकी नियुक्ति हुई थी। जहां पर एक होमगार्ड अपनी मां की दवा लेने के लिए आता रहता था। एक दिन उसकी तबीयत खराब होने पर वह एक सरकारी अस्पताल में दिखाने के लिए गई तो आरोपी वहीं पर ड्यूटी पर था। तभी आरोपी से वहां पर संपर्क हुआ और आरोपी ने उसका नंबर भी ले लिया था।

होमगार्ड ने महिला अटेंडेंट को शादी का झांसा देकर शिकार बनाया

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि नंबर लेने के बाद आरोपी लगातार उससे संपर्क करने लग गया। उसे बार-बार फोन करने की जानकारी पूछी तो आरोपी ने उसे शादी करने का प्रस्ताव रखा था। जब आरोपी को बताया कि वह पहले से शादीशुदा है तो आरोपी ने उसे और उसकी बच्ची को रखने का आश्वासन दिया था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि तभी से आरोपी उसे लगातार झांसा देता गया।

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि एक दिन आरोपी ने विश्वास में लेकर उसे अपने घर बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसके साथ रेप किया गया। इस दौरान उसके अश्लील वीडियो बना लिए गए। तभी से आरोपी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ रेप करता रहा।

पीड़िता ने बताया कि जब उसने आरोपी से शादी के लिए कहा तो उसने शादी से इनकार कर दिया। जब आरोपी के घर वालों से संपर्क किया तो उन्होंने भी करने की धमकी दी गई। अलवर गेट थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

मऊ स्पेशल ट्रेन का कल जोधपुर से होगा संचालनः शाम को होगी रवाना, 25 नवंबर को ट्रेन मऊ से जोधपुर के लिए चलेगी



24 न्यूज अपडेट

नियमित ट्रेनों में बढ़ते यात्री भार को देखते हुए उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित जोधपुर-मऊ स्पेशल एक्सप्रेस का अगला ट्रिप रविवार को जोधपुर रेलवे स्टेशन से रवाना होगा। घोषित 10 ट्रिप में से यह नौंवा ट्रिप होगा। मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया- जोधपुर-मऊ ट्रेन संख्या 04823,जोधपुर स्टेशन से रविवार शाम 5.30 बजे प्रस्थान करेगी। अगले दिन रात 11.20 बजे मऊ जाएगी।

इसी तरह ट्रेन 04824, मऊ-जोधपुर एक्सप्रेस मंगलवार (25 नवंबर) सुबह 4 बजे मऊ से प्रस्थान कर दूसरे दिन सुबह 8.55 बजे जोधपुर पहुंच जाएगी।

इन स्टेशनों पर होगा ठहराव

स्पेशल ट्रेन का आवागमन में पीपाड़ रोड, गोटन, मेड़ता रोड, रेन, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, नावां सिटी, फुलेरा, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, बांदीकुई, मंडावर, खेरली, नदबई, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, अयोध्या धाम, शाहगंज, खोरासन रोड, आजमगढ़ तथा मुहम्मदाबाद स्टेशनों पर ठहराव होगा।

निशाने पर चुनाव आयोगः बीएपी सांसद रोत बोले-एसआईआर कोविड से बड़ी महामारी



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुरः बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भारत आदिवासी पार्टी (BAP) सांसद राजकुमार रोत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR)को लेकर चुनाव आयोग पर तीखा प्रहार किया. सांसद रोत ने एसआईआर को कोविड से बड़ी महामारी बताया. उन्होंने कहा कि एसआईआर की योजना अधिकारियों ने एसी ऑफिस में बैठकर बनाई है. गांवों की भौगोलिक स्थितियां अलग है. ग्रामीण क्षेत्र में घर दूर होते हैं. एक एक घर तक पहुंचने के लिए आधा घंटा तक खर्च होता है. ऐसे में एक बीएलओ 50 घरों तक एक दिन में कैसे पहुंच पाएगा. रोत ने राजस्व मंत्री हेमंत मीणा पर भी निशाना साधा.

सांसद राजकुमार रोत ने यहां अपने दफ्तर में मीडिया से चर्चा में कहा कि कोविड में स्कूलें बंद होने से पढ़ाई प्रभावित हुई थी. अब एसआईआर में स्कूलें तो खुली हैं, लेकिन शिक्षकों की ड्यूटी एसआईआर में लगने से शिक्षक स्कूलों में नहीं है.इसके चलते बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है. सरकार ने आपाधापी में अर्धवार्षिक परीक्षा पहले करा दी, लेकिन एसआईआर में ड्यूटी होने से शिक्षक कोर्स पूरा नहीं करा पाए. बीएलओ डरे हुए हैं. मानसिक दबाव के चलते देशभर में 19 बीएलओ की अलग-अलग कारणों से मौत चुकी है. राजस्थान में भी कई बीएलओ की जान चली गई. किसी को अटैक आ रहा है तो कोई आत्महत्या कर रहा है. इसमें सरकार को सोचना चाहिए. एसआईआर में टाइम एक्स्टेंशन देना चाहिए. बीएलओ पर वर्क लोड घटाना चाहिए.

राजस्व मंत्री मीणा पर निशानाः सांसद रोत ने राजस्व मंत्री हेमंत मीणा पर भी निशाना साधा. रोत ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में क्या किया? टीएसपी क्षेत्र से किसी व्यक्ति को पहली बार राजस्व मंत्री बनाया है. आज आदिवासी बहुल क्षेत्रों में जल, जंगल और जमीन बड़ी समस्या है. 'आदिवासी क्षेत्र में डेढ़ लाख परिवार बिलानाम जमीन पर मकान बनाकर रह रहे हैं, लेकिन आप राजस्व मंत्री है. आपके कार्यकाल में कितने दलित, आदिवासी व पिछड़ों को पट्टे दिए. आपको मौका मिला है तो लोगों का भला करना चाहिए था, लेकिन आप किसी का भला नहीं कर पाए. बीएपी का सूपड़ा साफ हो या ना हो लेकिन राजस्व विभाग और सरकार का भी सूपड़ा साफ हो रहा है'.

सत्य की खोज व्यक्ति स्वयं करे तभी जीवन में शांति संभव : आचार्य महाश्रमण



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 नवम्बर। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ त्याग, शौर्य, और बलिदान की वीर भूमि मेवाड़ में अहिंसा यात्रा के माध्यम से नशामुक्ति , नैतिकता और सद्भावना का संदेश देते हुए विभिन्न क्षेत्रों का विचरण कर रहे हैं।

श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण 22 नवम्बर को प्रातः राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बारां से विहार करके राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टीडी पधारे। आचार्य महाश्रमण का अपनी धवल वाहिनी के साथ 23 नवम्बर को काया के लिए विहार करेंगे।

फत्तावत ने बताया कि जैसे जैसे आचार्य महाश्रमण मेवाड़ में आगे पधार रहे हैं वैसे वैसे मेवाड़ के श्रावक श्राविकाओं का उत्साह बढ़ता जा रहा है। नियमित रूप से मेवाड़ के अनेकों श्रावक श्राविकाये आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ आने का क्रम बना हुआ है। आचार्य महाश्रमण की अहमदाबाद से लेकर दिवेर तक की एक माह की यात्रा का सम्पूर्ण दायित्व निर्वहन श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस द्वारा किया जा रहा है। मेवाड़ कांफ्रेंस के अनेक कार्यकर्ता अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए सुचारू रूप से मेवाड़ यात्रा में अपनी सेवाएं लगातार दे रहे है।

आचार्य महाश्रमण ने विहार के बाद उपस्थित जन समुदाय और विद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को अमृत देशना देते हुए फरमाया कि व्यक्ति सत्य को स्वयं खोजे। किसी की सुनी सुनाई बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए ।सभी प्राणियों के साथ मैत्री का व्यवहार रखे। आज के इस वैज्ञानिक युग में कई तरह की खोज और अनुसंधान किए जाते है और उपलब्धि हासिल होती है । लेकिन सत्य की खोज के लिए अपने भीतर जाना आवश्यक है। सत्य की खोज अपने विवेक, समझदारी पर निर्भर करती है। साधना के माध्यम से सच्चाई की प्राप्ति हो सकती है। व्यक्ति को पापकारी प्रवृत्तियो से बचने का प्रयास करना चाहिए। व्यक्ति को केवल नींद से जागना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि भीतर से जागना भी आवश्यक है। भीतर की जागृति तभी हो सकती है जब राग और द्वेष से पार पाया जा सके।

15 नवंबर को दिवंगत तेरापंथ धर्मसंघ की शासन श्री साध्वी विनयश्री द्वितीय जिनका शांतिपूर्वक स्वर्गवास हो गया था उनकी स्मृति सभा का आयोजन किया गया। आचार्य महाश्रमण द्वारा साध्वी विनयश्री का संक्षिप्त परिचय बताया गया। 4 लोगस्स पाठ के ध्यान के साथ श्रद्धांजलि दी गई। स्मृति सभा में मुख्य मुनि महावीर कुमार, साध्वी प्रमुखा विश्रुत विभा ने अपनी भावनाएं व्यक्त की।

आज के कार्यक्रम में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय टीडी के प्रिंसिपल दीपिका पंड्या, वाइस प्रिंसिपल चंदा चौधरी, चंचल पालीवाल, सुनील सिंघवी, सुमित गर्ग का साहित्य समर्पण उपरना और स्मृति चिन्ह से सम्मान बलवंत रांका ,जय पोरवाल, विकास बोथरा,विशाल दुग्गड,अंजू कच्छारा ने किया। अंत में उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ का श्रवण करवाया गया।

आईसीएआई उदयपुर का भव्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'प्रज्ञान' 20-21 दिसंबर को



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 नवम्बर। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उदयपुर शाखा आईसीआईए सीआईआरसी द्वारा प्रोफेशनल डेवलपमेंट कमेटी के तत्वावधान में 20 एवं 21 दिसम्बर 2025 को भव्य दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन—"प्रज्ञान - पाथवे टू प्रोफेशनल विजडम" का आयोजन 100 फीट रोड़ स्थित सॉलिटेयर गार्डन एवं बैंक्वेट में किया जा रहा है। झीलों की नगरी अपनी ऐतिहासिक शान और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ इस बड़े आयोजन की मेजबानी करेगी।

उदयपुर शाखा अध्यक्ष सीए राहुल माहेश्वरी ने बताया कि सम्मेलन में जीएसटी, ब्लैक मनी, इनकम टैक्स, कंपनीज़ एक्ट, कैपिटल मार्केट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे विषयों पर इंटरैक्टिव सेशन होंगे। इसके साथ प्रेरक सत्र, सांस्कृतिक संध्या और डेलिगेट्स व उनके परिवारजन के लिए गाला डिनर भी रखा गया है। अध्यक्ष माहेश्वरी ने बताया कि आयोजन को लेकर शनिवार को सेक्टर 14 स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की उदयपुर शाखा में पोस्टर का विमोचन किया गया।

शाखा उपाध्यक्ष सीए चिराग धर्मावत ने बताया कि हर वर्ष 1000 से अधिक प्रतिभागी इस राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेते हैं और इस वर्ष देशभर से ख्यातनाम वक्ताओं की उपस्थिति के चलते भारी सहभागिता की उम्मीद है। शाखा सचिव सीए धर्मेन्द्र कोठारी ने बताया कि पंजीकरण प्रारंभ हो चुका है और सदस्यों में उत्साह देखने को मिल रहा है।

शाखा कोषाध्यक्ष सीए सौरभ गोलछा ने बताया कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी शहर के कई प्रमुख कॉरपोरेट्स, बैंकिंग एसोसिएशन तथा अन्य संस्थाएँ सम्मेलन के सहयोगी एवं विज्ञापन साझेदार के रूप में सम्मिलित हो रही हैं, जिससे कार्यक्रम को और अधिक भव्य स्वरूप प्राप्त होगा।

सीआईसीएएसए चेयरमैन सीए कपिल जोशी, सीआईसीएएसए सदस्य सीए अरुणा गेलड़ा तथा सीए अंशुल कटेजा सहित पूरी टीम इस सम्मेलन को यादगार बनाने हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रही है। कार्यक्रम हेतु विभिन्न समितिया बनाकर 100 से अधिक सीए तैयारियों में जुटे हुए है।

आर्यिका सुप्रज्ञमति माताजी ससंघ का महावीर कॉलोनी में भव्य मंगल प्रवेश,

दान छुपा कर देना चाहिए न कि छपा कर : आर्यिका सुप्रज्ञमती



24 न्यूज अपडेट

खेरवाड़ा, कस्बे के नेमिनाथ मंदिर में चातुर्मासरत आर्यिका सुप्रज्ञमती माताजी ससंघ का शनिवार को तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रातः 8:30 बजे समाज अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं महामंत्री भूपेंद्र जैन के नेतृत्व में महावीर कॉलोनी के लिए विहार हुआ। इससे पूर्व माता जी के मुखारविंद से मंदिर में भगवान शांतिनाथ का पंचामृत अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। महावीर कॉलोनी सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष रोशन लाल नागदा एवं मंत्री भूपेंद्र भगोरिया के नेतृत्व में समाजजन तहसील रोड पहुंचे, जहां से आर्यिका संघ की अगवानी कर बैंड बाजे की धुन पर नाचते झूमते जय कारा लगाते हुए महावीर कॉलोनी जिनालय में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश से पूर्व शोभा यात्रा के दौरान श्रावक श्राविकाओं द्वारा जगह जगह विदुषी आर्यिका का पाद प्रक्षालन एवं पुष्प वृष्टि की गई। महावीर कॉलोनी जिनालय में प्रवेश से पूर्व महिला परिषद की 11 महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर फूलों की रंगोली सजाकर संघ का स्वागत किया।

आर्यिका द्वारा जिनालय के सभागार में धर्मावलंबियों को प्रवचन रूपी मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। प्रवचन में बताया कि गुरु का समागम दुर्लभता से मिलता है। गुरु के आशीर्वाद से ही धर्म प्रभावना होती है, सभी को गुरु वचन एवं गुरु आज्ञा का पालन करना चाहिए। आचार्य आदि सागर जी महाराज की दीक्षा जयंती पर उनके जैनेश्वरी दीक्षा से लेकर विस्तार से समझाया। बिना नमक के नमकीन अच्छी नहीं लगती वैसे ही बिना शक्कर के मिठाई भी अच्छी नहीं लगती है वैसे ही बिना गुरु के शिष्य का भी कोई अस्तित्व नहीं होता है। यह भी बताया कि जब श्रावक वैराग्य की ओर बढ़ता है तो भावनाएं बदलती रहती हैं। धर्म सभा में दान के बारे में बोलते हुए बताया कि दान छुपा कर देना चाहिए न कि छपा कर। जीवन में आगे बढ़ना चाहते हो तो अच्छी बातों को ग्रहण करें और बुरी बातों का त्याग करो।

धर्म सभा में हुमड समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया, चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र पंचोली एवं मंत्री कुलदीप जैन, शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं महामंत्री भूपेंद्र कुमार जैन, हेमराज नागदा, गुणवंत फ़डिया, शांति लाल वखारिया, रंजन जैन,हसमुख जैन, गजेंद्र पंचोली सहित सकल दिगंबर जैन समाज के सैकड़ो लोग शोभायात्रा एवं धर्म सभा में उपस्थित रहे। धर्म सभा समारोह का संचालन महेंद्र जैन द्वारा किया गया।

"25 नवंबर से होगा पांच दिवसीय समवशरण विधान"

धर्म सभा में विदुषी आर्यिका के निर्देशन में 25 नवंबर से 29 नवंबर तक पांच दिवसीय समवशरण विधान के आयोजन की घोषणा की गई। विधान के अंतिम दिन 29 नवंबर को हवन एवं पूर्णाहुति की जाएगी। उल्लेखनीय है कि समवशरण विधान जैन धर्म में एक धार्मिक अनुष्ठान है, जो तीर्थंकर के समवशरण (दिव्य उपदेश कक्ष) पर आधारित है। इसमें मंत्रोच्चार और पूजा के माध्यम से समवशरण के विभिन्न हिस्सों जैसे मंडप, पीठ और गंधकुटी का ध्यान और पूजन किया जाता है। इसका उद्देश्य केवलज्ञान की प्राप्ति और आंतरिक गुणों को प्रकट करना है।

सर्व ओबीसी समाज ने ओबीसी की मांगों का राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई में दिया ज्ञापन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट उदयपुर ने राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई में ओबीसी की मांगों का ज्ञापन संस्थापक दिनेश माली व अध्यक्ष लोकेश चौधरी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा।

ट्रस्ट के प्रवक्ता नरेश पूर्बिया ने बताया कि टीएसपी क्षेत्र में ओबीसी का आरक्षण 0% कर दिया गया है, उसे जनसंख्या के अनुपात या मंडल आयोग की सिफारिश के अनुसार 27 प्रतिशत किया जाए।

ओबीसी उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए 10 करोड रुपए तक का ऋण 3% ब्याज पर 30 प्रतिशत अनुदान एवं महिला उद्यमियों को 2% ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाए।

अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रमाण पत्र की मान्यता आजीवन या 5 वर्ष किया जाए। क्रीम लेयर की आय 8 लाख से बढ़ाकर 12 लाख रुपए वार्षिक किया जाए।

पंचायती राज एवं स्थानीय निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण जातिगत जनगणना 2011 के अनुसार 60% आरक्षण दिया जाए । ज्ञापन देने में में महापंचायत के संस्थापक दिनेश माली ,अध्यक्ष लोकेश चौधरी, सरक्षक रमाकांत सुथार , उपाध्यक्ष पी एस पटेल, महासचिव सूर्य प्रकाश सुहालका, कोषाध्यक्ष बालकृष्ण सुहालका, , सचिव राजेंद्र सेन व किसन राव, भेरूलाल भोई, कैलाश माली, महिला प्रदेश अध्यक्ष मनीबेन पटेल, महामंत्री धारावती सुहालका, शर्मिला माली, उपाध्यक्ष मंजू सुथार, कोषाध्यक्ष गंगा देवी माली,पुजा टेलर, जयमाला ट्रेलर , मंजू ट्रेलर, शांता नागर , रमिला लोहार, निर्मला शर्मा, राजकुमारी प्रजापत, रेखा ऊंटवाल, नेहा कुमावत, चंद पटेल, दीपमाला मेवाड़ा, डॉ सुनीता सुहालका सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

नई ग्राम पंचायतों के गठन से क्षेत्र में खुलेगी विकास की नई राह - विधायक डांगी

नव गठित ग्राम पंचायतों के वासियों ने विधायक डांगी का किया स्वागत, जताया आभार



24 न्यूज अपडेट

वल्लभनगर राजस्थान सरकार ने राज्य की विभिन्न ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन, पुनसीमांकन एवं नव सृजन के लिए संबंधित जिला कलेक्टरों से प्राप्त प्रस्तावो के आधार पर सरकार ने अधिसूचना जारी की है , जिसमें वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र के टांक, भमरासिया, खोखरवास, मंदेसर, मावली डांगियान, खेड़ी, बोरतलाई, निमड़ी, खजूरिया, जुड़ , देवदा को नवसृजन ग्राम पंचायतें बनाने की स्वीकृति मिलने पर शनिवार को सभी नवगठित ग्राम पंचायतों के ग्रामीण व जनप्रतिनिधी डबोक स्थित विधायक निवास पहुंचे और वल्लभनगर विधायक उदय लाल डांगी का भव्य स्वागत किया, और ग्रामीणों ने राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, और क्षेत्रीय विधायक उदय लाल डांगी का आभार जताया, विधायक उदय लाल डांगी ने राज्य सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत करते हुए कहा की नई ग्राम पंचायतों के गठन से क्षेत्र में विकास की नयी राह खुलेगी तथा स्थानीय निवासियों को शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों का अधिक लाभ मिलेगा ,इसके साथ ही प्रशासनिक कार्य अब और अधिक सुगमता से ग्रामीणों के द्वारा तक पहुंच पाएंगे, यह निर्णय गांवों की प्रगति सुविधा विस्तार और जन समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मशरूम की खेती पर आदिवासी कृषक महिलाओं का संस्थागत प्रशिक्षण सम्पन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 22 नवम्बर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन अनुसंधान निदेशालय उदयपुर के द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना के अंतर्गत चल रहे 'दक्षिणी राजस्थान में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिला कृषकों में उद्यमिता विकास' परियोजना के तहत दो दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण दिनांक 21 से 22 नवम्बर, 2025 को मशरूम प्रयोगशाला राजस्थान कृषि महाविद्यालय उदयपुर में सम्पन्न हुआ, जिसमें पंचायत समिति फलासिया झाडोल के आस-पास के गाँवों जैसे बड़ा भीलवाड़ा, अमोद-बरसी, फलासिया तथा गूराड़ के 60 से अधिक कृषक महिलाओं ने संस्थागत उद्यमिता प्रशिक्षण में बढ़ चढ़कर भाग लिया। परियोजना प्रभारी प्रोफेसर विशाला बंसल ने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं कौशलों का प्रशिक्षण देकर उनमें उद्यमिता का विकास करना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और उद्यम स्थापित कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान मशरूम परियोजना प्रभारी प्रोफेसर (डॉ.) एन.एल. मीना ने मशरूम उत्पादन के वैज्ञानिक विधियों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। जिसमें मशरूम के महत्वपूर्ण गुण एवं उनका महत्व, ढिंगरी मशरूम, दुध छत्ता मशरूम, बटन मशरूम के उत्पादन तकनीक, कम्पोस्ट तैयारी, बीज प्रबंधन, किट संगण एवं ताज़ा मशरूम, मशरूम उत्पादों के विपणन के बारे में विस्तार से बताया। प्रशिक्षण उपरान्त प्रत्येक महिला कृषक को प्रर्दशन हेतु एक-एक ढिंगरी मशरूम का बैग वितरित किये गये। तथा महिला कृषक ने मशरूम उत्पादन को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उद्यम के रूप में आगे बढ़ाने की इच्छा व्यक्त की।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।